मुख्य कोच

आप परमेश्वर की एक संतान हो।

यूनिट 2

परमेश्वर को आप पर विश्वास है।

चैंपियन्स् इस पर विश्वास करते हैं, यद्यपि कोई अन्य ऐसा नहीं करता।

''बच्चों को मेरे पास आने दो और उन्हें मना मत करो, क्योंकि परमेश्वर का राज्य ऐसों ही का है। मरकुस 10:14

प्रिय शिक्षकों,

हम प्रार्थना करते हैं कि परमेश्वर आपको आशीष दें जबकि आप उसकी सेवा करते और बच्चों के बीच पूरी दुनिया में सेवकाई करते हो। आप एक बदलाव ला रहे हो, साथ ही अनंतता के लिए जीवन परिवर्तित भी कर रहे हो!

हमारे पास आपके लिए एक सरप्राईज़ है। आप सोचते होंगे कि आप केवल एक संडे स्कूल शिक्षक होने के लिए चुने गये हो, लेकिन अब आपके काम का ब्यौरा बदलकर अब आप एक 'कोच' (अनुशिक्षक) बन गये हो! यह बिल्कुल सही है, इस साल हम बाइबल को एक 'मुक्केबाजी' के शीर्षक के अंतर्गत पढ़ेंगे और साथ ही खेल के साथ कुछ मनोरंजन भी करने की आशा करते हैं। प्रिय शिक्षक, आप अभी से शुरू करें! आप एक शिक्षक के बजाय एक अनुशिक्षक (कोच) बनें, और यह आपको अपनी कक्षा के प्रत्येक विद्यार्थी के विषय में गहराई से ध्यान देने और उनके चैंपियन बनने के संघर्ष की प्रगति में उनकी मदद करने के लिए प्रेरित करेगा।

हम इस वर्ष आत्मा के फल के विषय में पढ़ेंगे। हालांकि, हम केवल फल को ही नहीं देखेंगे, लेकिन हमारी देह के उन सभी पापों को भी देखेंगे जो कि आत्मा के फल के विरोध में लड़ते रहते हैं। आपका लक्ष्य है कि आप अपने विद्यार्थियों को चैंपियन बनने में मदद करें। ऐसा करने के लिए, उन्हें न केवल अपने याद करने की आयत को और बाइबल कहानियों को सीखना होगा, बल्कि उन्हें आत्मा के फल को अपने दैनिक जीवन में भी अमल करने की आवश्यकता होगी।

बॉक्सिंग या मुक्केबाजी के विषय का उपयोग करते हुए, जब आपके विद्यार्थी आपके संडे स्कूल की कक्षा में होंगे, तब हम ऐसी कल्पना करें कि वे किसी प्रशिक्षण में हैं। वे परिश्रम कर रहे हैं, और परमेश्वर के बारे में और पाप के विरूद्ध लड़ाई के विषय में अधिक सीख रहे हैं। इसलिए आपकी कलीसिया उनके लिए प्रशिक्षण स्थल है।

जब आपके विद्यार्थी इस संसार में होते हैं, तब वास्तव में वे सभी ''एक बॉक्सिंग रिंग'' के अंदर होते हैं! यहीं पर वे वास्तव में अपने स्वयं के पापमय इच्छाओं के विरूद्ध संघर्ष करते हैं। उनका घर और स्कूल, इसलिए, वास्तव में उनके प्रतियोगी होते हैं और मुक्केबाजी का मैच होता है। ऐसा इसलिए होता है कि कलीसिया में, हम सब दिखावा करने में निपुण होते हैं और सही जवाब भी देते हैं। कृपया कोई भी बच्चा यह कभी न सोचें कि कलीसिया में आयत याद करके या सीखके उसने वह मैच जीत लिया है। वह केवल प्रशिक्षण मात्र ही है। जबकि वास्तविक प्रतियोगिता उनके जीवन में ही है। वे यदि उस सप्ताह सिखाये गये पाठों को व्यवहारिक रूप से अपने जीवन में अमल करेंगे तो निश्चित रूप से वह मैच को जीत सकते हैं।

एक अनुशिक्षक होने के नाते आपका अंतिम कार्य होना चाहिए कि आप उन्हें पुरस्कृत करें और विजय हासिल करने पर उन्हें उत्साहित करें। कुछ पुरस्कारों को तैयार करों जो कि आप उन्हें जीतने पर प्रदान कर सको। उन्हें अपने गले से लगाओ या हर ''पंच'', राउंड या मैच के जीतने पर एक विशेष आवाज़ के साथ उनका उत्साह बढ़ाएं। उनके अनुशिक्षक होने के नाते, जो व्यवहार आप प्रदान करोगे वही व्यवहार आपको भी प्राप्त होगा जबकि बच्चे आपको प्रसन्न करने का प्रयास करेंगे।

हम आशा करते हैं कि एक अनुशिक्षक के रूप में अपने आप को तैयार पाकर आपको काफी अच्छा लगेगा, जहां पर आप अपनी कक्षा को एक खेल प्रशिक्षण केंद्र में सजा पाओगे, और कुछ मजेदार पुरस्कार प्रदान करने का समारोह भी कर पाओगे। आत्मा के फल के अनुसार जीने में सफलता ठीक वैसे ही मिलती है जैसे कि किसी खेल में मिलती है, और ठीक उनकी तरह जो दूसरों के मुकाबले कड़ी मेहनत करने के इच्छुक होते हैं। आप अपने विद्यार्थियों को कड़ी मेहनत करने और चैंपियन बनने के लिए उत्साहित कर सकते हो। आप केवल उन पर विश्वास रखें जब कोई दूसरा ऐसा नहीं कर पा रहा है, और परमेश्वर को उनके जीवन में चमत्कार करते हुए देख सकते हो!

हमारा प्रभु परमेश्वर आपको प्रेरित करें, जबकि आप अपने विद्यार्थियों को इस आत्मा के फल के विषय में अनुशिक्षित करने की चुनौती को स्वीकार करते हो। हम प्रार्थना करते हैं कि आप संडे स्कूल शिक्षकों की सीमाओं से बाहर निकलकर, अपने विद्यार्थियों के जीवन में एक वास्तविक कोच बन सको!

www.ChildrenAreImportant.com – Children's ministry resources, Sunday School, and Vacation Bible School (VBS) curriculum for churches and teachers. Hindi

अनुशिक्षक

छोटे समूह

अपनी कक्षा को छोटे समूहों में बांटों ताकि आपके विद्यार्थियों को आप वास्तव में उनके गृहकार्यों को करने में मदद कर सको। अधिकतर संडे स्कूल कार्यक्रम कलीसिया में होते हैं, और घर में जाकर करने के लिए कुछ नहीं होता। हालांकि, आपके विद्यार्थी अपने जीवन में से इनके बारे में सीखकर पाप को ''नॉकआउट'' नहीं कर सकते। उन्हें वास्तव में ''रिंग के अंदर'' आना होगा और वास्तविक पाप से लड़ना होगा जिनका सामना वे उस हफ्ते के दौरान करते हैं। वास्तव में, जब तक कोई उन पर निगरानी नहीं रखेगा, तो इसे करना लगभग असंभव है। कृपया उनके ''शब्दों पर विश्वास'' न करें और न ही स्वीकारें जब विद्यार्थी आपसे कहते हैं कि उन्होंने गृहकार्य कर लिया है। अगर आप इस कार्यक्रम के प्रति गंभीर नहीं रहेंगे, तो आप अपने विद्यार्थियों को झूठ बोलने का प्रशिक्षण दे रहे हो। जबकि, जरा मेरे साथ कल्पना कीजिए कि अगर आप वाकई में अपने विद्यार्थियों को अनुशिक्षित कर सकते हो, और साथ ही इस बात पर भी नज़र रखते हो कि वे अपना गृहकार्य कर रहे हैं, तो आप उनके जीवन में सच्चे परिवर्तन को देख सकते हो। केवल एक साल में ही, आप उनका जीवन पूरी तरह से बदल सकते हो! आपके विद्यार्थी आत्मा के फल को याद नहीं कर रहे होंगे, बल्कि वास्तव में उसे जीना सीख रहे होंगे! इन छोटे समूहों को सिखाने के लिए, हमने आपके अनुशिक्षकों के लिए पत्रियां और आपके मुख्य कोच के लिए एक पुस्तक तैयार की है। कोच की पत्रियां हर महीने के लिए है और साथ ही हर आत्मा के फल के लिए भी। मुख्य कोच के लिए एक छोटी पुस्तिका है जिसमें पूरे तीन महीनें की ईकाई के गृहकार्य भी दिए गये हैं।

अनुशिक्षकों की जिम्मेदारियां:

कोच:

- 3–5 बच्चों को अनुशिक्षित करें।
- हर हफ्ते कक्षा के पहले और बाद में पांच मिनट के लिए विद्यार्थियों से मिलें और गृहकार्य पर चर्चा करें और चैंपियन बनने के लिए उन्हें उत्साहित करते रहें।
- हफ्ते के दौरान विद्यार्थियों को बुलाकर/संदेश भेजकर गृहकार्य की याद दिलाएं। (सुझावित दिनः मंगलवार)
- हफ्ते के दौरान दूसरी बार विद्यार्थियों को बुलाकर/संदेश भेजकर गृहकार्य पूरे होने के विषय में रिपोर्ट मांगे। (सुझावित दिनः शुक्रवार)
- छोटे समूहों में बच्चों के गृहकार्य पूरे होने पर नज़र रखें और हर हफ्ते मुख्य कोच को रिपोर्ट करें।

मुख्य कोच:

- हर हफ्ते कक्षा के पहले और बाद में अनुशिक्षकों से पांच मिनट के लिए मिलें और गृहकार्य पर चर्चा करें और उनके विद्यार्थियों को विश्वासयोग्यता के साथ कोचिंग देने के लिए उन्हें उत्साहित करें।
- हफ्ते के दौरान अनुशिक्षकों को बुलाकर/संदेश भेजकर गृहकार्य की याद दिलाएं। (सुझावित दिनः मंगलवार)
- हफ्ते के दौरान दूसरी बार अनुशिक्षकों को बुलाकर/संदेश भेजकर गृहकार्य पूरे होने के विषय में रिपोर्ट मांगें। (सुझावित दिनः शुक्रवार)
- सभी विद्यार्थियों के गृहकार्य पूरे होने पर निगरानी रखें।
- अनुशिक्षकों और उनके परिवारों के लिए महीनें में प्रेरक मीटिंगों को आयोजित करें।

नियुक्तिः

ज्यादा अगुवों को नियुक्त करना चुनौतीपूर्ण लग सकता है ताकि आपके छोटे समूहों के लिए पर्याप्त अनुशिक्षक हो। हालांकि, यह इतना मुश्किल भी नहीं है। यहां पर कुछ आसान सुझाव दिए गये हैं जिनसे आपको अनुशिक्षकों को खोजने में मदद मिलेगीः

- अनुशिक्षकों से कहो कि उन्हें केवल एक महीनें के लिए ही सेवकाई करनी है। हर महीना आत्मा के एक फल को पूरा करता है। जब वयस्कों से उनके समर्पण के बारे में पूछा जाएगा, और यदि आप केवल एक महीनें के लिए ही पूछते हो, तो अधिकतर लोग इस सेवकाई के लिए तैयार हो जाएंगे। पहले महीनें के दौरान, अगर आप इसे सरल और मनोरंजक बनाते हो, तो वे आगे और जारी रखने के लिए तैयार रहेंगे!
- अनुशिक्षकों को कलीसिया में सामान्य रूप से ही उपस्थित रहने दो, लेकिन 10 मिनट पहले आकर अपने विद्यार्थियों से मिलने के लिए कहो। आपके कोच आपके संडे स्कूल कक्षा में महीने में केवल एक ही बार उपस्थित होंगे, और अन्य हफ्तों में सामान्य रूप से कलीसिया में अन्य वयस्कों के साथ उपस्थित हो सकते हैं।
- विद्यार्थियों को फोन पर बुलाने से अच्छा है कि आप उन्हें संदेश भेजें। अपने अनुशिक्षकों के मोबाइल में पूरे महीने के लिए ऑटोमेटिक संदेश भेजने में मदद करें, ताकि वे आसानी से अपने विद्यार्थियों के साथ संपर्क में रहें। इस बात का ध्यान रखें कि पारंपरिक बुलाने के तरीके के अलावा आप नए तरीकें जैसे कि फेसबुक, ट्विटर, वाट्सअप आदि का उपयोग भी कर सकते हो।
- अपनी कलीसिया में अनुशिक्षकों के

www.ChildrenAreImportant.com – Children's ministry resources, Sunday School, and Vacation Bible School (VBS) curriculum for churches and teachers. Hindi

कुछ सामान रखने के लिए एक स्थान तैयार करें। एक ''कोच'' दिखने के लिए आपके अनुशिक्षक, खेल के दौरान पहने जाने वाली टोपी, सींटी और वॉटर बोटल भी रख सकते हैं। हर सप्ताह इन चीज़ों को लेकर आने से बेहतर होगा कि इन्हें कलीसिया में ही कहीं रखने की अनुमति दी जाएं। इस तरह से आपके कोच चर्च के दौरान अपना सामान्य वस्त्र पहन सकते हैं, और बाद में कुछ खेल के सामान लेकर एक कोच की तरह दिख सकते हैं।

- हर महीनें आयोजित होने वाली अनुशिक्षकों की मीटिंग को अधिक प्रेरणादायक बनाएं, ताकि वे इसमें निरंतर साल के दौरान शामिल होना चाहे।
- अगर आवश्यकता हो तो बड़े समूहों की अनुमति दें। फेसबुक पर सामूहिक सूचना की मदद से किसी के लिए 10 बच्चों को अनुशिक्षित करना कठिन बात नहीं है।

पुरस्कार वितरण समारोह

कोच होने के नाते एक महत्वपूर्ण भाग यह है कि आप अपने विद्यार्थियों को एक विजेता बनने का एहसास दिलायें। इसका अर्थ यह है कि आप उन्हें व्यक्त करें कि आप कैसा व्यवहार चाहते हैं, और उस व्यवहार को पुरस्कृत करें। हम सिफारिश करते हैं कि आप विद्यार्थियों को पुरस्कृत करें जब वे अपना गृहकार्य करते हैं, जहां हफ्ते के दौरान वे पाठ को अपने कर्मों में अमल करते हैं। उपस्थिति और याद करना उनका ''प्रशिक्षण'' है और हफ्ते के दौरान अपने गृहकार्य को करना वास्तव में उनकी प्रतियोगिता है। अपने विद्यार्थियों को उत्साहित करें कि अगर वे जीतना चाहते हैं तो प्रशिक्षण बहुत महत्वपूर्ण है। जबकि, वास्तविक संसार की प्रतियोगिता में ही वे असली विजेता बनते हैं।

एक विचार यह हो सकता है कि हर महीनें के अंत में एक पुरस्कार वितरण समारोह का आयोजन किया जाए, जब आप आत्मा के हर फल को पूरा पढ़ा चुके होते हो। उदाहरण के लिए, प्यार में 5 हफ्ते का अध्ययन है। जिन्होंने भी कम से कम 3 हफ्ते तक अपने गृहकार्य पूरे किए हो वे कास्य पदक जीत सकते हैं, 4 हफ्ते के लिए चांदी और जिन्होंने पूरे पांच हफ्ते अपने गृहकार्य किए हो उन्हें स्वर्ण पदक दिया जा सकता है। पहले महीनें के बाद आप आगे इसमें अपनी सुविधानुसार परिवर्तन ला सकते हो, क्योंकि कुछ गांव और शहर दूसरों के मुकाबले अधिक चनौतीपूर्ण होते हैं। कुछ इलाके अधिक सुसमाचार के लिए अनुरूप होंगे, और आपको आसान गृहकार्य देने की आवश्यकता होगी ताकि वे उत्साही बने रहें और आपकी कक्षा के साथ लगातार बने रहें।

साल के आखिर में, उनके लिए बड़े पुरस्कार की घोषणा करें जिन्होंने पूरे साल भर कई पुरस्कार जीते हो। यह कोई ट्रोफी या उपयोगी सामान हो सकता है। उन पुरस्कारों को कलीसिया के मंच पर समस्त लोगों के सामने उन विद्यार्थियों को देकर आप इसे और अधिक विशेष बना सकते हो!

छोटे साप्ताहिक पुरस्कारः

- गले मिलना
- हाई–फाईव
- उनके टी–शर्ट या कमीज़ के लिए स्टीकर
- हाथ पर कोई टेटू या मोहर
- एक छोटी कैंडी

महीने के अंत में बड़े पुरस्कारः

- पुरस्कार वितरण समारोह में बच्चों को स्वर्ण, चांदी और कांस्य पदकों को दिया जाएगा। (जिन्होंने भी कम से कम 3 हफ्ते तक अपने गृहकार्य पूरे किए हो वे कांस्य पदक जीत सकते हैं, 4 हफ्ते के लिए चांदी और जिन्होंने पूरे पांच हफ्ते अपने गृहकार्य किए हो उन्हें स्वर्ण पदक दिया जा सकता है। इसके अलावा, हर हफ्ते 2 पंच के लिए कांस्य पदक, 3 पंच के लिए चांदी और चार पंच के लिए स्वर्ण पदक दे सकते हो।)
- आपके घर में एक पार्टी
- प्रमाण पत्र
- किसी बड़ी कलीसिया में वयस्कों के सामने कोई उपहार देना
- ट्रॉफी

प्रेरणादायक सभाएंः

मुख्य अनुशिक्षक का कार्य यह है कि वह अन्य अनुशिक्षकों को उत्साहित बनाए रखें। इसे करने का एक महत्वपूर्ण तरीका यह है कि आप हर महीने एक प्रेरणादायक सभा का आयोजन करें। आप किसी एक समय मिलकर भोजन कर सकते हो, साथ में प्रार्थना कर सकते हो, खेल के विषय जानकारी इकट्ठी कर सकते हो और देखो कि आप इसे अपने मसीही जीवन में कैसे लागू कर सकते हो। इसके साथ ही, आप ऑलंपिक खिलाड़ी के बारे में बात कर सकते हो या मिलकर कोई प्रेरणादायक खेल मूवी पॉपकार्न या अन्य स्वादिष्ट व्यंजन का मजा लेते हुए देख सकते हो। अपने अनुशिक्षकों के साथ इस विचार को बांटें कि अगर एक खिलाड़ी को जीतने के लिए इतनी मेहनत करनी पड़ती है तो यह हमारे लिए भी काफी महत्वपूर्ण होता है कि आत्मिक और अनंत बातों के लिए हम अधिक परिश्रम करें।

हर कोच पांच हफ्तों के लिए 6 बच्चों को प्रेम के फल के विषय में मदद करेंगे। उनकी प्रगति को यहां पर रिकार्ड करें। जितनी जरूरत हो उतनी फोटोकॉपी लें।

अनुशिक्षक	1	2	3	4	5
1.					
2.					
3.					
4.					
5.					
6.					

अनुशिक्षक	1	2	3	4	5
1.					
2.					
3.					
4.					
5.					
6.					

अनुशिक्षक	1	2	3	4	5
1.					
2.					
3.					
4.					
5.					
6.					

अनुशिक्षक	1	2	3	4	5
1.					
2.					
3.					
4.					
5.					
6.					

अनुशिक्षक	1	2	3	4	5
1.					
2.					
3.					
4.					
5.					
6.					

अनुशिक्षक	1	2	3	4	5
1.					
2.					
3.					
4.					
5.					
6.					

अनुशिक्षक	1	2	3	4	5
1.					
2.					
3.					
4.					
5.					
6.					

अनुशिक्षक	1	2	3	4	5
1.					
2.					
3.					
4.					
5.					
6.					

अनुशिक्षक	1	2	3	4	5
1.					
2.					
3.					
4.					
5.					
6.					

अनुशिक्षक	1	2	3	4	5
1.					
2.					
3.					
4.					
5.					
6.					

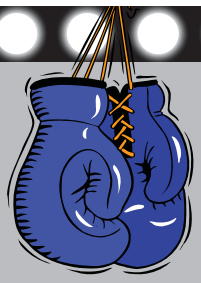

चैंपियन्स

धीरज

1 धीरज बनाम अधीर होना

बाइबल की कहानी: सोने का बछड़ा

निर्गमन 32

याद करने की आयत:
और उस की महिमा की शक्ति के अनुसार सब प्रकार की सामर्थ से बलवन्त होते जाओ, यहां तक कि आनन्द के साथ हर प्रकार से धीरज और सहनशीलता दिखा सको। कुलुस्सियों 1:11

2 धीरज बनाम कष्ट

बाइबल की कहानी: अय्यूब धीरज के साथ कष्ट उठाता है

अय्यूब 1–2

याद करने की आयत:
मेरे दु:ख में मुझे शान्ति उसी से हुई है, क्योंकि तेरे वचन के द्वारा मैं ने जीवन पाया है। भजन संहिता 119:50

3 धीरज बनाम घमंड़

बाइबल की कहानी: राजा नबूकदनेस्सर

दानिय्येल 4

याद करने की आयत:
किसी काम के आरम्भ से उसका अन्त उत्तम है; और धीरजवन्त पुरूष गर्वी से उत्तम है। सभोपदेशक 7:8

4 धीरज बनाम गुस्सा

बाइबल की कहानी: दाऊद, नाबाल और अबीगैल

1 शमूएल 25

याद करने की आयत:
क्रोध तो करो, पर पाप मत करो: सूर्य अस्त होने तक तुम्हारा क्रोध न रहे।
इफिसियों 4:26

5 धीरज बनाम अधिकार

बाइबल की कहानी: मन्ना और बटेरें

निर्गमन 16:1–18

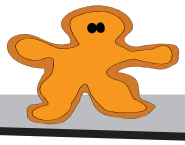

याद करने की आयत:
तुम भी धीरज धरो, और अपने हृदय को दृढ़ करो, क्योंकि प्रभु का शुभागमन निकट है। हे भाइयों, एक दूसरे पर दोष न लगाओ ताकि तुम दोषी न ठहरो, देखो, हाकिम द्वार पर खड़ा है। - याकूब 5:8-9

गृहकार्य (रिंग के अंदर)

पिछले हफ्ते के गृहकार्य पर चर्चा करें, और अपने विद्यार्थियों को अगले हफ्ते का गृहकार्य दें। वे सब छात्र पुस्तकों और मैच कार्डों में दिए गये हैं। अपने छात्रों को याद दिलायें कि जो अपने गृहकार्यों को करते हैं केवल वे ही चैंपियन बन सकते हैं। हममें से कोई भी केवल चर्च जाके या बाइबल की आयतों को याद करके चैंपियन नहीं बन सकता, लेकिन इसके अनुसार जीके कर सकते हैं! हम सिफारिश करते हैं कि छोटे समूह बनाये जाएं जिसमें कोच विद्यार्थियों के गृहकार्यों पर नज़र रखकर उनकी मदद कर सके। (अधिक जानकारी के लिए छोटे समूह भाग में देखें)

हफ्ते के दौरान एक ही बार उन गृहकार्यों को करने से कोई भी उस पाप को ''नॉकआउट'' नहीं कर सकता, जैसे कि केवल एक पंच से कोई भी अपने विरोधी को बॉक्सिंग में हरा नहीं सकता। इस सिद्धांत का इस्तेमाल करते हुए विद्यार्थियों को यह दिखाने में मदद मिलेगी कि यदि वे वास्तव में एक चैंपियन बनना चाहते हैं, तो उन्हें हफ्ते के दौरान और भी ''पंच मारने'' होंगे। आपके अनुशिक्षकों को इस बात पर नज़र रखने को कहो कि उस हफ्ते के दौरान उन्होंने कितने ''पंच'' प्राप्त किए और प्रतियोगिता को प्रोत्साहित करते रहो। हर ''पंच'' एक वह मौका होता है जहां पर उन्होंने उस हफ्ते के दौरान गृहकार्य किया। उन ''पंचों'' को ज्यादा मजेदार बनाने के लिए, इन चार तरीके के ''पंच'' का इस्तेमाल करो: जॉब, हुक, क्रोस और अपरकट।

www.ChildrenAreImportant.com – Children's ministry resources, Sunday School, and Vacation Bible School (VBS) curriculum for churches and teachers. Hindi

गृहकार्य

रिंग के अंदर

मिट्टी पर कुछ ऐसा लिखों जो परमेश्वर ने आपके लिए भूतकाल में किया हो और उस स्थान पर एक पत्थर रखकर एक निशान बनाएं। इसे कलीसिया में किसी एक स्थान पर करें, हर विद्यार्थी अपना खुद का विशेष स्थान बनाएं और सप्ताह के दौरान दूसरा स्थान घर पर कहीं बनाएं। अपने स्थान पर पत्थर से निशान बनाने के बाद, दूसरे को बताएं कि परमेश्वर ने क्या किया था।

रिंग के अंदर

परमेश्वर को किसी बात के लिए एक धन्यवाद लिखें जिसे आपने सहा हो। जैसा अय्यूब ने कहा, वैसा ही कहने की कोशिश करें, ''परमेश्वर ने दिया और परमेश्वर ने ही लिया। परमेश्वर के नाम की स्तुति हो।'' यदि हो सके तो अपनी गवाही को कक्षा के अन्य विद्यार्थियों के साथ बांटें।

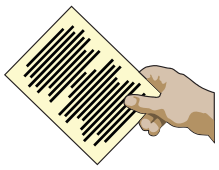

रिंग के अंदर

अपने आप को दीन करने के लिए कोई क्रियाकलाप करें। आप पंक्ति में अपने स्थान को दूसरे को दे सकते हो, टीवी पर दिखाए जाने वाले किसी कार्यक्रम का बहिष्कार कर सकते हो जिसमें पात्र घमंड़ से भरा हो, मंच पर या दूसरों के सामने से अपने पर ध्यान न केंद्रित होने दें, या दूसरों को अनुमति दें कि वे आपको सुधार सके।

रिंग के अंदर

कुछ छोटे सामानों को उपहार के रूप में देने के लिए खरीदो। जब आप गुस्सा होते हो, तो आप किसी ऐसे को एक उपहार दें जिससे आप गुस्सा हो। लोगों को छोटे छोटे उपहार देकर अपने गुस्से को कुचलने की कोशिश करें, और अपने धीरज को बढ़ते हुए देखो।

रिंग के अंदर

इस हफ्ते आप किसी से कुछ नहीं मांगेगे। हर बार जब आप किसी से कुछ मांगना चाहते हो, तो अपने आप को रोको। हर बार जब आप अपने आप को किसी से कुछ मांगने के लिए रोकने में सफल होते हो जैसा कि खाना, पक्ष, समय, या मदद, तो आप इस पाप पर जय पाते जाते हो।

उपस्थिति रिवार्ड कार्ड

उपस्थिति रिवार्ड सबको बांटें, एक ऐसा कार्ड जिसमें उस हफ्ते के मैच का विवरण हो। अपने विद्यार्थियों को पूरे साल उपस्थित रहने के लिए प्रोत्साहित करो, और सभी कार्डों को इकट्ठा करो! ये कार्ड काफी कम खर्चे पर डाउनलोड और प्रिंट करने के लिए उपलब्ध है। आप इन कार्डों का इस्तेमाल हर गृहकार्य को एक पाप के साथ मिलाकर एक यादाश्त खेल के लिए भी कर सकते हो।

कृपा

6 कृपा बनाम तुलना

बाइबल की कहानी: राजा शाऊल और दाऊद

1 शमूएल 18:5–16

याद करने की आयत:
पर हर एक अपने ही काम को जांच ले, और तब दूसरे के विषय में नहीं परन्तु अपने ही विषय में उसको घमण्ड करने का अवसर होगा। - गलातियों 6:4

7 कृपा बनाम धोखा

बाइबल की कहानी: पतरस यीशु का इन्कार करता है

मत्ती 26:31–35, 69–75

याद करने की आयत:
मैं निकम्मी चाल चलनेवालों के संग नहीं बैठा, और न मैं कपटियों के साथ कहीं जाऊंगा भजन संहिता 26:4

8 कृपा बनाम अलगाव

बाइबल की कहानी: रूत और नाओमी

रूत 1:8–22

याद करने की आयत:
जिनका भला करना चाहिये, यदि तुझ में शक्ति रहे, तो उनका भला करने से न रूकना। - नीतिवचन 3:27

9 कृपा बनाम बैर

बाइबल की कहानी : एस्तेर अपने लोगों को बचाती है

एस्तेर 3–5

याद करने की आयत:
हे मेरे भाइयो; मैं आप भी तुम्हारे विषय में निश्चय जानता हूं, कि तुम भी आप ही भलाई से भरे और ईश्वरीय ज्ञान से भरपूर हो और एक दूसरे को चिता सकते हो। रोमियो 15:14

भलाई

10 भलाई बनाम अरूचि

बाइबल की कहानी: सदोम और अमोरा

उत्पत्ति 18:16–33

याद करने की आयत:
जो पड़ोसी पर कृपा नहीं करता वह सर्वशक्तिमान का भय मानना छोड़ देता है। - अय्यूब 6:14

11 भलाई बनाम बुराई

बाइबल की कहानी: हेरोदेस और यूहन्ना बपतिस्मादाता

लूका 3:18–20, मत्ती 14:1–12

याद करने की आयत:
बुराई को छोड़ और भलाई कर; मेल को ढूंढ और उसी का पीछा कर। भजन संहिता 34:14

12 भलाई बनाम स्वार्थी महत्वकांक्षा

बाइबल की कहानी: बेबीलोन का गुम्मट

उत्पत्ति 11:1–9

याद करने की आयत:
विरोध या झूठी बड़ाई के लिये कुछ न करो पर दीनता से एक दूसरे को अपने से अच्छा समझो। फिलिप्पियों 2:3

13 भलाई बनाम अशुद्धता

*बाइबल की कहानी:*यूसुफ और पोतीपर

उत्पत्ति 39:1–21

याद करने की आयत:
इसी लिये हम सदा तुम्हारे निमित्त प्रार्थना भी करते हैं, कि हमारा परमेश्वर तुम्हें इस बुलाहट के योग्य समझे, और भलाई की हर एक इच्छा, और विश्वास के हर एक काम को सामर्थ सहित पूरा करे।
2 थिस्सलुनीकियों 1:11

www.ChildrenAreImportant.com – Children's ministry resources, Sunday School, and Vacation Bible School (VBS) curriculum for churches and teachers. Hindi

रिंग के अंदर

हफ्ते के शुरूआत में अपने पास 20 गेंद लेकर रखो। हर बार जब आप अपने आप को किसी से तुलना करते हुए पाते हो, तो उन गेंदों में से एक को कम करो। इसमें फेसबुक या अन्य ऑनलाइन एप्लीकेशन्स् भी सम्मिलित हैं जहां पर हम अपने आप को दूसरों से तुलना करते हैं। अगर आपको जरूरत पड़े, तो पूरे हफ्ते फेसबुक का उपयोग न करें।

रिंग के अंदर

इस हफ्ते, किसी ऐसे व्यक्ति के पास जाएं जिनसे आपने झूठ बोला था, और जाकर उसको सच बताओ। उस झूठ के लिए माफी मांगें, और उनसे कहें कि आपको क्षमा कर दे। हर बार जब आप लौटकर जाते और जाकर सच बोलते हो तो यह इस पाप पर एक बड़ी विजय होती है।

रिंग के अंदर

किसी की मदद करने की कोशिश करें, खासकर अगर वह आपकी ''समस्या'' न हो तो। सड़क पर किसी बेघर व्यक्ति को कुछ दें, या स्कूल में किसी गरीब बच्चे को एक नई पेंसिल या रबड़ देकर उसकी मदद करें। निश्चित कर लें कि वह किसी भी तरह से आपसे जुड़ा हुआ न हो, या उसकी मदद करने की आपकी कोई जिम्मेदारी या जरूरत भी न हो।

रिंग के अंदर

इस हफ्ते आप किसी ऐसे व्यक्ति की मदद करें जिसे कोई अन्य व्यक्ति बिना किसी कारण के तंग करता या दुख देता है। जब हम किसी दूसरे की सहायता करते हैं, तो हम हृदय में इस पाप के विरूद्ध संघर्ष करते हैं। अपने सम्मान को दांव में लगाते हुए किसी दूसरे की सहायता करो।

रिंग के अंदर

इस हफ्ते, आप प्रार्थना करें कि वह आपके हृदय में उत्साह को बढ़ाएं। ऐसे किसी बात को ढूंढें जो आप दूसरों के लिए कर सकते हो ताकि दूसरों के लिए आपके अंदर का उत्साह बढ़ता जाएं। किसी सेवकाई का दौरा करें और सीखें कि वे क्या करते हैं, ऐसे किसी संस्था की मदद करें जो दूसरों को भोजन खिलाती है, या संसार में होने वाली घटनाओं से जुड़े वीडियो को देखो। जहां पर आप मदद कर सकते हो, वहां भागीदारी करें।

रिंग के अंदर

अपने आसपास किसी भी ऐसे बुराई को देखो, जहां पर कोई विद्यार्थी दूसरे निर्दोष विद्यार्थियों को बिना किसी कारण के चोट पहुंचा रहा हो। इस हफ्ते ऐसे किसी निर्दोष विद्यार्थी का बचाव करने के तरीके खोजें। हो सकता है कि स्कूल से घर जाने के लिए उसे कोई दूसरा रास्ता बताकर दें, दोपहर का भोजन देना, या उसके साथ जाने के लिए अपने किसी चार दोस्तों के समूह को भेजे।

रिंग के अंदर

अपने आप को मशहूर करने या अपनी प्रसिद्धी के लिए इस हफ्ते कोई कार्य न करें। जब कभी ऐसा कोई अवसर मिलता है, तो उसे अनदेखा करें। जब आप ऐसा करते हो, तब आप इस घुसपैठ करने वाले पाप पर एक जोरदार मुक्का मारते हो।

रिंग के अंदर

इस हफ्ते, आप अपने हृदय की रखवाली करें। यदि आपके विरोध में कुछ किया गया हो, तो याद रखना कि उन्होंने पाप किया है, न कि आपने। हर दिन प्रार्थना में कहें, ''हे परमेश्वर, मैं आपके सामने बिल्कुल शुद्ध हूं।'' अगर आपने किसी के विरोध में कुछ गलत किया है, तो आप जाकर उस व्यक्ति और परमेश्वर से माफी मांगें। तब आप लगातार प्रार्थना कर सकते हो, ''हे परमेश्वर, मैं आपके सामने बिल्कुल शुद्ध हूं।''

हर कोच चार हफ्तों के लिए 6 बच्चों को आनदं के फल के विषय में मदद करेंगे। उनकी प्रगति को यहां पर रिकार्ड करें। जितनी जरूरत हो उतनी फोटोकॉपी लें।

अनुशिक्षक	1	2	3	4
1.				
2.				
3.				
4.				
5.				
6.				

अनुशिक्षक	1	2	3	4
1.				
2.				
3.				
4.				
5.				
6.				

अनुशिक्षक	1	2	3	4
1.				
2.				
3.				
4.				
5.				
6.				

अनुशिक्षक	1	2	3	4
1.				
2.				
3.				
4.				
5.				
6.				

अनुशिक्षक	1	2	3	4
1.				
2.				
3.				
4.				
5.				
6.				

अनुशिक्षक	1	2	3	4
1.				
2.				
3.				
4.				
5.				
6.				

अनुशिक्षक	1	2	3	4
1.				
2.				
3.				
4.				
5.				
6.				

अनुशिक्षक	1	2	3	4
1.				
2.				
3.				
4.				
5.				
6.				

अनुशिक्षक	1	2	3	4
1.				
2.				
3.				
4.				
5.				
6.				

अनुशिक्षक	1	2	3	4
1.				
2.				
3.				
4.				
5.				
6.				

हर कोच चार हफ्तों के लिए 6 बच्चों को शांति के फल के विषय में मदद करेंगे। उनकी प्रगति को यहां पर रिकार्ड करें। जितनी जरूरत हो उतनी फोटोकॉपी लें।

अनुशिक्षक	1	2	3	4
1.				
2.				
3.				
4.				
5.				
6.				

अनुशिक्षक	1	2	3	4
1.				
2.				
3.				
4.				
5.				
6.				

अनुशिक्षक	1	2	3	4
1.				
2.				
3.				
4.				
5.				
6.				

अनुशिक्षक	1	2	3	4
1.				
2.				
3.				
4.				
5.				
6.				

अनुशिक्षक	1	2	3	4
1.				
2.				
3.				
4.				
5.				
6.				

अनुशिक्षक	1	2	3	4
1.				
2.				
3.				
4.				
5.				
6.				

अनुशिक्षक	1	2	3	4
1.				
2.				
3.				
4.				
5.				
6.				

अनुशिक्षक	1	2	3	4
1.				
2.				
3.				
4.				
5.				
6.				

अनुशिक्षक	1	2	3	4
1.				
2.				
3.				
4.				
5.				
6.				

अनुशिक्षक	1	2	3	4
1.				
2.				
3.				
4.				
5.				
6.				

"Hola"
en Hindi

नमस्ते

"Gracias" en
Malayalam

നന്ദി

நல்ல

"Muy bien" en Tamil

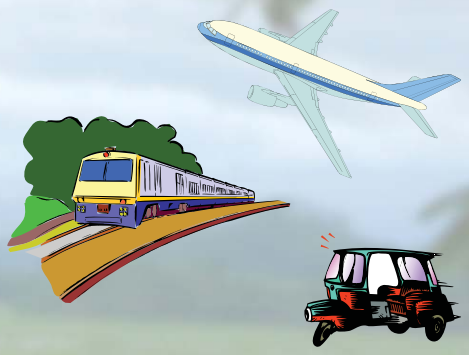

Chennai, Tamil Nadu

1 en 5 niños del mundo están en la India.

Imagínate pasando toda la vida sin haber conocido a un cristiano o escuchado el nombre de Jesucristo. Así es la vida por millones de niños en la India. Tienen mucha necesidad con el analfabetismo, el sistema "casta" opresivo, y la explotación infantil, nos da una idea de un poco de lo que enfrentan estos niños.

EBV sin fronteras

¿Cómo podemos hacer la diferencia?

Con introducir un niño a nuestro salvador Jesucristo por medio de una EBV exacto como la que su iglesia está haciendo. Hay iglesias abriéndose por toda la India, pero con falta de recursos y capacitación.

Juntos, les podemos hacer llegar una EBV para evangelizar a su comunidad. El ministerio "Los Niños Cuentan" ya esta haciendo un programa de traducir los materiales EBV y ED para 8 diferentes idiomas de la India. Ahora los niños de la India pueden oír el mensaje de la salvación mientras se diviertan con una Escuela Bíblica de Vacaciones.

Cuando participas en el programa "EBV sin fronteras", los niños de tu iglesia pueden aprender más de los niños de la India, mientras sus donaciones, junto con las donaciones de otros, hacen llegar la EBV a miles de niños por toda la India. ¡Y así, juntos estamos cambiando el mundo!

Porque... बच्चें महत्वपूर्ण है

"los niños cuentan"
en Hindi

Churachandpur, Manipur

Trivandrum, Kerala

EBV DESTINO SIN LÍMITES
Para subir, hay que bajar. Mateo 10:39

Ve el paquete de misiones en la EBV "Destino sin límites"

Head Coach 2 Champions
Hindi
20317

www.ChildrenAreImportant.com
info@childrenareimportant.com
We are located in Mexico.
DK Editorial Pro-Visión A.C.

बच्चें महत्वपूर्ण है